माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा लेखाशास्त्र कक्षा-12 (भाग-1) की उपलब्ध पाठ्यपुस्तक पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है। अतः यह संजीव पासबुक्स भी पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित प्रकाशित की गई है।

पास बुक्स में नं. 1

# संजीव®

## पास बुक्स

# लेखाशास्त्र-XII

# (भाग-1)

(कक्षा 12 के वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- वर्ष 2023 का माध्य. शिक्षा बोर्ड का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2024

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 400/-

- प्रकाशक :

  **संजीव प्रकाशन**

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com



- © प्रकाशकाधीन



- **मूल्य : ₹ 400.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  **संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department),** जयपुर

- मुद्रक :

  **मनीष ऑफसैट,** जयपुर

  ***


- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

# विषय-सूची

1. अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन
(Accounting for Not-for-Profit Organisation) 1-86
2. साझेदारी लेखांकन—आधारभूत अवधारणाएँ
(Accounting for Partnership—Basic Concepts) 87-163
3. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश
(Reconstitution of a Partnership Firm :
Admission of a Partner) 164-290
4. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन—साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु
(Reconstitution of a Partnership Firm :
Retirement/Death of a Partner) 291-395
5. साझेदारी फर्म का विघटन
(Dissolution of Partnership Firm) 396-484

❑❑❑

*ये हम नहीं कहते,*

*जमाना कहता है*

# संजीव पास बुक्स है नं. 1

**दैनिक भास्कर**

**जयपुर, 12 जुलाई , 2022**

**राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

## सफलता का पर्याय बनीं संजीव पास बुक्स

**जयपुर।** लंबे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आँकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियो में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं।

**राजस्थान पत्रिका**

**जयपुर, 7 जुलाई , 2022**

**राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

## विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनी संजीव पास बुक्स

**जयपुर।** संजीव पास बुक्स अपनी पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम और सरल भाषा के चलते विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल का कहना है कि हमारी पुस्तकें नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती है, जिसमें अनुभवी विशेषज्ञों का योगदान होता है। साथ ही समय-समय पर इन्हें अपडेट भी किया जाता है, इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती है। गौरतलब है कि संजीव पासबुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि पुस्तकों की कक्षा 3 से एम.ए. तक के छात्रों के बीच अच्छी डिमांड है।

**संजीव पास बुक्स कक्षा 3 से एम. ए. के लिए**

**प्रकाशक–संजीव प्रकाशन, जयपुर-3**

# उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

## लेखाशास्त्र
## (ACCOUNTANCY)

**समय : 3 घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक : 80**

**परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :**

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

## खण्ड-अ (SECTION-A)

**बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)** :

(i) निम्न में से कौनसा एक गैर-लाभकारी संस्थाओं के अन्तिम खातों में शामिल नहीं है? 1
(अ) प्राप्ति एवं भुगतान खाता (ब) व्यापार खाता
(स) आय-व्यय खाता (द) तुलन पत्र
Which one of the following is not included in final Accounts of non-profit organisations?
(A) Receipt and Payment A/c (B) Trading A/c
(C) Income and Expenditure A/c (D) Balance Sheet

(ii) आशा एक फर्म में साझेदार है, वह प्रत्येक तिमाही के प्रारम्भ में ₹ 5,000 प्रति त्रैमासिक आहरण करती है। आहरण पर ब्याज 12% वार्षिक दर से लगाया जाता है, आहरण पर ब्याज की अवधि होगी— 1
(अ) 6½ माह (ब) 4½ माह (स) 6 माह (द) 7½ माह
Asha is a partner in a firm. She withdrew ₹ 5,000 each quarterly at the beginning of each quarter. Interest on drawing charged @ 12% per annum. The period for interest on drawing will be—
(A) 6½ months (B) 4½ months (C) 6 months (D) 7½ months

(iii) कविता और ममता एक फर्म में 4½ : 5½ अनुपात में लाभ बाँटती हुई साझेदार है, उन्होंने अक्षिता को नये साझेदार के रूप में प्रवेश दिया। भविष्य में इनका नया लाभ-हानि अनुपात 7 : 11 : 2 होगा। त्याग का अनुपात क्या होगा— 1
Kavita and Mamta are partners in a firm sharing profit in the ratio of 4½ : 5½. They admitted Akshita as a new partner. The new profit and loss sharing ratio will be 7 : 11 : 2 in future. What will be the sacrificing ratio—
(A) 9 : 11 (B) 2 : 0 OR 2 (C) 7 : 11 (D) 11 : 3

(iv) फायदा (अधि लाभ) अनुपात किस स्थिति में ज्ञात किया जाता है— 1
(अ) साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर (ब) साझेदार की मृत्यु पर
(स) साझेदार के प्रवेश पर (द) (अ) व (ब) दोनों
Gaining Ratio is calculated in the conditions—
(A) On Retirement of a partner (B) On Death of a partner
(C) On Admission of a partner (D) Both (A) and (B)

(v) फर्म के विघटन पर 'डूबत ऋणों के आयोजन' को हस्तान्तरित करेंगे— 1
(अ) साझेदारों के पूँजी खाते में (ब) रोकड़ खाते में
(स) साझेदारों के ऋण खाते में (द) वसूली खाते में
On the dissolution of the firm, the provision for bad debts will be transferred—
(A) In Partners Capital A/c (B) In Cash A/c
(C) In Partners Loan A/c (D) In Realisation A/c

(vi) एक व्यक्ति वाली कम्पनी में अधिकतम वार्षिक औसत आवर्त होता है— 1

What is the maximum annual average turnover in a one person company—
(A) ₹ 2 Crore (B) ₹ 50 Lakhs (C) ₹ 1 Lakh (D) ₹ 5 Lakhs

(vii) अन्तर्नियम के अभाव में, बकाया माँग पर ब्याज की अधिकतम दर 10% हो सकती है, के अनुसार— 1
(अ) तालिका - एफ (ब) तालिका - ई (स) तालिका - एच (द) तालिका - जी
In the absence of article of association the maximum rate of interest on calls-in-Arrear will be 10% per annum, according to—
(A) Table - F (B) Table - E (C) Table - H (D) Table - G

(viii) निवेशकों की क्षतिपूर्ति के दृष्टिकोण से शून्य ब्याज दर वाले ऋणपत्र जारी किये जाते हैं— 1
(अ) प्रीमियम पर (ब) बट्टे पर (स) विशिष्ट ब्याज दर (द) सम-मूल्य पर
From the view of Investor's compensation, zero cupon rate debentures are issued—
(A) AT—Premium (B) AT—Discount
(C) AT specific interest rate (D) AT - Par

(ix) ऋणपत्रों के शोधन पर प्रीमियम खाते का शेष हस्तान्तरित किया जाता है— 1
(अ) ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि खाते में (ब) ऋणपत्रों के शोधन पर हानि खाते में
(स) ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा खाते में (द) ऋणपत्रों के शोधन पर बट्टा खाते में
The balance of premium on redemption of debenture Account is transferred—
(A) In Loss on issue of debentures A/c
(B) In Loss on redemption of debentures A/c
(C) In discount on issue of debentures A/c
(D) In discount on redemption of debentures A/c

(x) निम्न में से कौनसी मद 'संचय व आधिक्य' उपशीर्षक से सम्बन्धित नहीं है— 1
(अ) पूँजीगत शोधन संचय (ब) ऋणपत्र शोधन संचय
(स) प्रतिभूति-प्रीमियम (द) डूबत ऋणों के लिए आयोजन
Which of the following item is not related to 'Reserve and Surplus' sub-Head—
(A) Capital redemption reserve (B) Debenture redemption reserve
(C) Securities premium (D) Provision for bad-debts

(xi) किस प्रकार के वित्तीय-विवरण विश्लेषण को 'क्षैतिज-विश्लेषण' कहा जाता है? 1
(अ) अनुपात-विश्लेषण (ब) प्रवृत्ति-विश्लेषण (स) तुलनात्मक-विवरण (द) समरूप-विवरण
Which type of Financial Statement Analysis is also known as 'Horizontal Analysis'—
(A) Ratio-Analysis (B) Trend-Analysis
(C) Comparative Analysis (D) Common Size Statement

(xii) यदि वर्ष के दौरान ₹ 75,000 का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया तथा वर्ष के प्रारम्भ व अन्त में स्कंध की राशि क्रमशः ₹ 15,000 व ₹ 1,00,000 हो, तो परिचालन क्रियाओं द्वारा रोकड़ प्रवाह की राशि होगी— 1
If the net profit earned during the year is ₹ 75,000 and stock in the beginning and at the end of year is ₹ 15,000 and ₹ 1,00,000 respectively, then the cash flow from operating activities will be :
(A) ₹ 10,000 (B) ₹ (10,000) (C) ₹ 1,60,000 (D) ₹ (1,60,000)

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (Fill in the blanks) :**

(i) प्राप्ति एवं भुगतान खाता.....बही का सारांश है (रोकड़/देय बिल) 1
Receipt and Payment Account is the summary of ..... book. (Cash/Bills Payable)

(ii) साझेदारों के चालू खाते ..... पूँजी रीति के अन्तर्गत खोले जाते हैं। (स्थिर/परिवर्तनशील) 1
Partners current accounts are opened under ..... capital method. (Fixed/Fluctuating)

(iii) फर्म के समापन के समय, पुस्तकों में गैर-अभिलिखित दायित्व का भुगतान एक साझेदार द्वारा करने पर, ..... खाता डेबिट (नामे) किया जायेगा। (पुनर्मूल्यांकन/वसूली) 1
At the time of dissolution of firm, unrecorded liabilities paid by a partner, is debited in ..... A/c. (Revaluation/Realisation)

(iv) एक कम्पनी के लिए ऋणपत्रों पर चुकाया गया ब्याज लाभों पर.....है। (प्रभार/आय) 1
Interest paid on debenture is ..... on profit for a company. (Charge/Income)

(v) ..... मदों का निपटान 12 माह की अवधि के भीतर किया जाता है। (गैर-चालू/चालू) 1
..... items to be settled within 12 months period. (non-current/current)

(vi) प्राप्त ब्याज व लाभांश को वित्तीय उद्यम के मामले में ..... क्रियाओं की भाँति वर्गीकृत किया जाता है। (निवेश/परिचालन) 1
Interest and dividend received is classified as ..... activities in the case of Financial enterprises. (Investing/Operating)

**3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions) :**

(i) भरत क्लब का चालू में प्राप्त चंदा ₹ 55,000; गत वर्ष में बकाया चंदा ₹ 5,000 था। आय-व्यय खाते में चंदे की राशि लिखिए। 1
Subscription received in current year ₹ 55,000 by Bharat club; outstanding subscription of last year is ₹ 5,000. Write down the amount of subscription in Income and Expenditure A/c.

(ii) साझेदारी-संलेख के अभाव में साझेदारों के पूँजी पर ब्याज के लिए क्या प्रावधान है। 1
In the absence of partnership-deed, what are the rules (provisions) for interest on partner's capital?

(iii) गरिमा, प्रियंका और निमिषा 3½ : 4½ : 5½ में लाभ बाँटती हुई साझेदार है। निमिषा फर्म से अवकाश ग्रहण करती है, गरिमा का नया हिस्सा होगा? 1
Garima, Priyanka and Nimisha are partners sharing profit in the ratio of 3½ : 4½ : 5½. Nimisha retires from the firm. New share of Garima will be?

(iv) साझेदार की मृत्यु के समय डूबत ऋणों के आयोजन में कमी के लिए क्या प्रविष्टि होगी? 1
What will be the entry for reduction in the provision for bad-debts at the time of death of a partner?

(v) फर्म के समापन पर, एक साझेदार द्वारा फर्म की ख्याति लेने पर, क्या जर्नल प्रविष्टि होगी? 1
At the time of dissolution of firm, the goodwill of the firm is taken over by a partner, what will be the journal entry?

(vi) पूर्वाधिकार अंशों के किन्हीं दो प्रकारों के नाम लिखिए। 1
Write the name of any two types of preference shares.

(vii) वाहक ऋणपत्र क्या है? What is a Bearer debenture? 1

(viii) राज लिमिटेड ने 1000 समता अंशों के लिए आवेदन पत्र आमन्त्रित किए। 980 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। अभिदान के प्रकार का नाम बताइए। 1
Raj Ltd. invited application for 1000 Equity shares. 980 applications were received. State the name of type of subscription.

(ix) ऋतुराज लिमिटेड ने यशपाल लिमिटेड से ₹ 2,00,000 मूल्य की मशीन खरीदी। जिसका भुगतान ₹ 2,000 चैक के द्वारा तथा शेष राशि के लिए ₹ 100 वाले 8% ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किए। जारी किए गए ऋणपत्रों की संख्या ज्ञात कीजिए। 1
Rituraj Ltd. purchased a machine worth ₹ 2,00,000 from Yashpal Ltd. The payment was made by cheque of ₹ 2,000 and for remaining amount 8% debenture of ₹ 100 each were issued at 10% discount. Calculate the number of debentures that were issued.

(x) वित्तीय विवरण विश्लेषण की उस तकनीकी का नाम लिखिए, जिसको 'प्रतिशत विवरण' के रूप में जाना जाता है? 1
Write the name of technique of Financial statement analysis, which is also known as 'percentile statement'?

(xi) रोकड़ तुल्यांक क्या है? What are cash equivalents? 1

(xii) भावेश लिमिटेड का शुद्ध लाभ, सामान्य संचय में ₹ 15,000 हस्तान्तरित करने के पश्चात् ₹ 75,000 है, तथा मशीनरी की बिक्री पर लाभ ₹ 10,000 हो, तो परिचालन क्रियाओं द्वारा रोकड़ प्रवाह ज्ञात कीजिए। 1
Bhavesh Ltd. made a net profit ₹ 75,000 after a transfer to general Reserve of ₹ 15,000 and gain on sale of machinery is ₹ 10,000, then calculate the cash flow from operating activities.

## खण्ड-ब (SECTION-B)

**लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions) :**

4. अग्र मदों को सॉवर क्लब के आय-व्यय खाता तथा तुलन-पत्र में लिखिए— 2

खेल कोष ₹ 5,00,000
खेलों पर व्यय ₹ 4,90,000
चिकित्सा कैम्प कोष ₹ 10,00,000
चिकित्सा कैम्प पर व्यय ₹ 10,20,000
Write the following items in Income and Expenditure A/c and Balance Sheet of Sanwer Club—
Tournament Fund ₹ 5,00,000
Expenses on Tournament ₹ 4,90,000
Medical Camp Fund ₹ 10,00,000
Expenses on Medical Camp ₹ 10,20,000

5. चंदा और दियांशी एक फर्म में 4:1 में लाभ बाँटती हुई साझेदार है। इनकी स्थिर पूँजी क्रमशः ₹ 3,00,000 और ₹ 2,00,000 थी। साझेदारी संलेख में 9% वार्षिक दर से ब्याज देने का प्रावधान है, तथा फर्म वर्ष के दौरान ₹ 35,000 की हानि अर्जित करती है। लाभ-हानि विनियोग (नियोजन) खाता तैयार कीजिए। 2
Chanda and Diyanshi are partners sharing profits in the ratio of 4:1 in a firm. Their Fixed capital were ₹ 3,00,000 and ₹ 2,00,000 respectively. Partnership deed provide interest on capital @ 9% per-annum and firm incurred Loss of ₹ 35,000 during the year. Prepare Profit and Loss Appropriation A/c.

6. संगीता और सुमित्रा एक फर्म में 1 : 3 में लाभ बाँटती हुई साझेदार हैं, इनकी स्थिर पूँजी क्रमशः ₹ 70,000 व ₹ 1,30,000 थी, में कविता को भविष्य में लाभों में ¼ हिस्से के लिए प्रवेश देती है। कविता पूँजी के रूप ₹ 70,000 लाती है। कविता के हिस्से के लिए ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए। 2
Sangeeta and Sumitra are partners in a firm sharing profits in the ratio of 1:3. Their fixed capital were ₹ 70,000 and ₹ 1,30,000 respectively. They admitted to Kavita as a new partner for ¼ share in the future profits. Kavita bought ₹ 70,000 as her capital. Calculate the share in goodwill for Kavita.

7. मधु, फतेह और ओमप्रकाश एक फर्म में साझेदार है। 1 जनवरी, 2022 को फतेह फर्म से अवकाश ग्रहण करता है, इसी तिथि को इसके पूँजी खाते का जमा शेष ₹ 3,00,000 है। उसकी बकाया राशि 10% वार्षिक दर से दो समान अर्द्ध-वार्षिक किश्तों में ब्याज सहित भुगतान के सहमति हुई। प्रथम अर्द्धवर्ष के अन्त में उसको चुकाई जाने वाली राशि ज्ञात कीजिए। 2
Madhu, Fateh and Omprakash are partners in a firm. On 1st January, 2022 Fateh retired from the firm. On that date the credit balance of his account is ₹ 3,00,000. It is agreed to pay his due amount in two equal Half-Yearly installments with interest @ 10% per annum. Calculate the amount payable to him at the end of first Half-year.

8. के, एल और एम एक फर्म में 3 : 5 : 2 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। 31 मार्च, 2022 को फर्म का लाभ ₹ 4,00,000 था। एम की 1 अक्टूबर, 2022 को मृत्यु हो गयी। 'एम' का 1 अप्रेल से 1 अक्टूबर, 2022 तक लाभों में हिस्सा ज्ञात कीजिए। 2
K, L and M are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3:5:2. The profit of the firm is ₹ 4,00,000 on 31st March, 2022. M died on 1st October. Calculate the share in profit for 'M' from 1st April upto 1st October, 2022.

9. एक पुराना टाइपराइटर को पिछले लेखा वर्ष में अपलिखित किया जा चुका है, एक साझेदार मयंक द्वारा इसे ₹ 15,000 में लिया गया। रोजनामचा में जर्नल प्रविष्टि दीजिए, यदि फर्म का विघटन हो चुका है। 2
An old typewriter was written-off in the books of accounts in previous year. The same has been taken by a partner Mayank for ₹ 15,000. Journalise the transaction, if firm has been dissolved.

10. हेमंत लिमिटेड में मनीष ने 1500 अंशों पर ₹ 4 प्रति अंश की दर से देय तिथि से 2 माह पूर्व भुगतान कर दिया। कम्पनी की पुस्तकों में कम्पनी अधिनियम की अनुसूची-एफ के अनुसार ब्याज की राशि ज्ञात कीजिए। 2
Manish paid ₹ 4 per share on 1500 shares in advance to Hemant Ltd., 2 months before due date. Calculate interest in the books of company according to companies As per Table - F.

11. **निम्न को परिभाषित कीजिए :** 2
(i) अरक्षित ऋणपत्र (ii) पंजीकृत ऋणपत्र

Define the following :

(i) Unsecured Debenture (ii) Registered Debenture

12. राजवीर लिमिटेड ने प्रत्येक ₹ 100 वाले स्वयं के 800 ऋणपत्रों को ₹ 98 प्रति ऋणपत्र की दर से खुले बाजार में क्रय करके रद्द कर दिये। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। 2

Rajveer Ltd. purchased 800 own debentures of ₹ 100 each from the open market for cancellation at ₹ 98 per debenture pass the necessary journal Entries in the books of the company.

13. सुमन लिमिटेड का तरलता अनुपात व चालू अनुपात क्रमशः 3.6:1 व 4.8:1 है। स्कंध की राशि ₹ 60,000 है। ज्ञात कीजिए— 2

(i) चालू सम्पत्तियाँ (ii) चालू दायित्व।

Suman Ltd's Liquidity Ratio and Current Ratio are 3.6:1 and 4.8:1 respectively, stock for ₹ 60,000. Calculate :

(i) Current Assets (ii) Current Liabilities

14. शेर लिमिटेड की निम्न सूचनाओं से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 2

Fill in the blanks, from the following details of Sher Ltd.

**Comparative Income Statement**

| | Items | Note No. | Amounts (₹) | | Change (±) | % Change |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2022 | 2023 | | |
| (A) | Income from Operation | – | 4,00,000 | ..... | 1,00,000 | ..... |
| (B) | Expenses : | | | | | |
| | Purchase of Material | – | 2,80,000 | 3,50,000 | ..... | ..... |
| (C) | PBT | – | 1,20,000 | 1,50,000 | 30,000 | 25.00 |

15. निम्न सूचनाएँ विनीत लिमिटेड से सम्बन्धित है— 2

| मदें | 1.4.2021 | 31.3.2022 |
|---|---|---|
| कराधान के लिए प्रावधान | (₹)45,000 | (₹)50,000 |

वर्ष के दौरान कराधान के प्रावधान ₹ 90,000 किया गया। परिचालन क्रियाओं द्वारा रोकड़ बहिर्वाह की राशि ज्ञात कीजिए।

Following informations are related to Vineet Ltd. :

| Items | 1.4.2021 | 31.3.2022 |
|---|---|---|
| Provision for Taxation | (₹)45,000 | (₹)50,000 |

During the year provision for Taxation is made of 90,000. Calculate the amount for cash outflow from operating activities.

16. शौयल लिमिटेड ने निम्नलिखित जानकारी प्रदान की है— 2

| मदें | 1.4.2021 | 31.3.2022 |
|---|---|---|
| प्लांट खाता | (₹)25,000 | (₹)30,000 |

वर्ष के दौरान एक प्लांट जिसका मूल्य ₹ 12,500 था और जिस पर संचित ह्रास ₹ 7,500 है, को ₹ 6,500 में बेचा गया। 'निवेश क्रियाओं' द्वारा रोकड़ प्रवाह की गणना कीजिए।

Shoiyal Ltd. has given you the following informations :

| Items | 1.4.2021 | 31.3.2022 |
|---|---|---|
| Plant A/c | (₹)25,000 | (₹)30,000 |

During the year, a plant costing ₹ 12,500 with Accumulated depreciation of ₹ 7,500 was sold for ₹ 6,500. Calculate the cash flow from the 'Investing-Activities'.

## खण्ड-स (SECTION-C)

17. नंदू और शिव एक फर्म में 4:3 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। उन्होंने 1 अप्रेल, 2022 को विनोद को लाभों में ¼ हिस्से के लिये नये साझेदार के रूप में प्रवेश दिया। इसी तिथि को तुलन पत्र सामान्य संचय ₹ 84,000 व लाभ-हानि खाता ₹ 35,000 (नामे) शेष दर्शा रहा है, फर्म की पुस्तकों में साझेदार के प्रवेश के समय, सामान्य संचय व लाभ-हानि खाते के नामे शेष को अपलिखित करने की प्रविष्टियाँ दीजिए। 3

Nandu and Shiv are partners in a firm sharing profit in the Ratio of 4:3. They admitted to Vinod as a new partner for ¼ share in profits on 1st April, 2022. The balance sheet showed a balance of General Reserve ₹ 84,000 and Debit balance of Profit and Loss ₹ 35,000 on this date. Pass the journal Entries in the book of firm, to write-off General Reserve and debit balance of profit and loss A/c, at the time of Admission of a partner.

18. सोम, मंगल और बुध एक फर्म में 4 : 3 : 2 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। मंगल फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। पुनर्मूल्यांकन, ख्याति तथा संचित लाभों से सम्बन्धित सभी समायोजनों के पश्चात् सोम व बुध के पूँजी खातों का जमा शेष क्रमशः ₹ 1,08,000 व ₹ 72,000 है। यह निर्णय लिया गया कि सोम व बुध के पूँजी खाते नए लाभ-हानि अनुपात के अनुसार समायोजित किए जाएँगे, साझेदारों द्वारा रोकड़ लाई या ले जाने वाली राशि ज्ञात कीजिए। 3

Som, Mangal and Budh are partners in a firm sharing profit in the ratio of 4:3:2. Mangal Retires from the firm. After making all adjustments relating to Revaluation, goodwill and accumulated profit etc. the capital accounts of Som and Budh showed the credit balance of ₹ 1,08,000 and ₹ 72,000 respectively. It was decided to Adjust the capitals of Som and Budh's in their new profit sharing ratio. Calculate the cash to be bought on to be paid off by partners.

19. **निम्न की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए—**

(i) एक ऋणपत्र का ₹ 95 पर निर्गमन किया गया, जिसका ₹ 105 शोधन (मोचन) होगा।

(ii) एक ऋणपत्र का ₹ 110 पर निर्गमन किया गया, जिसका ₹ 100 शोधन (मोचन) होगा। ऋणपत्र का अंकित मूल्य ₹ 100 था। 3

Journalise the following :

(i) A debenture issued at ₹ 95; repayable at ₹ 105.

(ii) A debenture issued at ₹ 110; repayable at ₹ 100.
The face value of debenture is ₹100.

20. सोनू लिमिटेड का ऋण-समता अनुपात 0.8:1 है, निम्न में से किससे ऋण-समता घटेगा, बढ़ेगा या अपरिवर्तित रहेगा, स्पष्ट कीजिए— 3

(i) समता अंश के अतिरिक्त निर्गमन पर (ii) बोनस अंशों के निर्गमन पर

(iii) ऋणपत्रों के शोधन पर (iv) माल के नकद क्रय पर

The debt-equity Ratio of Sonu Ltd. is 0.8:1. Which of the following would increase, decrease or remain unchanged (the debt-Equity Ratio), Explain :

(i) Further issue of equity shares. (ii) Issues of Bonus shares.

(iii) Redemption of debentures. (iv) Sale of goods on cash basis.

## खण्ड-द (SECTION-D)

21. संजीव और भानू एक फर्म में 3 : 7 में लाभ बाँटते हुए साझेदार है, 31 मार्च, 2022 को इनका आर्थिक चिट्ठा निम्न है— 4

| दायित्व | | ₹ | सम्पत्तियाँ | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| देय बिल | | 4,00,000 | रोकड़ | | 3,60,000 |
| संचय | | 3,00,000 | देनदार | 4,60,000 | |
| पूँजी खाते : | | | (-) डूबत ऋण | | |
| संजीव | 5,00,000 | | आयोजन | 20,000 | 4,40,000 |
| भानू | 4,00,000 | 9,00,000 | मशीनरी | | 8,00,000 |
| | | **16,00,000** | | | **16,00,000** |

**अन्य सूचनाएँ :**

वे 1 अप्रेल, 2022 को 'राहुल' को निम्न शर्तों के साथ प्रवेश देते हैं—

(i) राहुल अपनी पूँजी के लिए ₹ 3,00,000 रोकड़ लाता है।

(ii) सभी देनदार अच्छे हैं।

(iii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 40,000 पर किया गया जिसे राहुल रोकड़ नहीं लाता है।

(iv) वे भविष्य में लाभों को 3 : 4 : 3 में बाँटने का निर्णय लेते हैं।

''पुनर्मूल्यांकन खाता'' व ''साझेदारों के पूँजी खाते'' बनाइए।

Sanjeev and Bhanu are partners in a Firm sharing profit in the ratio of 3 : 7. Their Balance Sheet as at 31st March, 2022 was as follows :

| Liabilities | | ₹ | Assets | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| Bill Payable | | 4,00,000 | Cash | 3,60,000 |
| Reserve | | 3,00,000 | Debtors : 4,60,000 | |
| Capital A/c's : | | | (–) Provision for | |
| Sanjeev | 5,00,000 | | bad-debts 20,000 | 4,40,000 |
| Bhanu | 4,00,000 | 9,00,000 | Machinery | 8,00,000 |
| | | **16,00,000** | | **16,00,000** |

**Other Informations :**

On 1st April, 2022 they admitted 'Rahul' on the following terms :

(i) Rahul will bring ₹ 3,00,000 for his capital in cash.

(ii) All debtors are good.

(iii) The goodwill of the firm was valued at ₹ 40,000, Rahul does not bring any cash for this.

(iv) They decided sharing profit in the ratio of 3 : 4 : 3 in future.

Prepare "Revaluation A/c" and "Partners Capitals A/c".

**अथवा/OR**

पी, क्यू और एक फर्म में 2:1:1 में लाभ बाँटते हुए साझेदार है, 31 मार्च, 2022 को उनका चिठ्ठा (तुलन-पत्र) इस प्रकार है :

| दायित्व | | ₹ | सम्पत्तियाँ | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| लेनदार | | 3,00,000 | रोकड़ | 1,80,000 |
| सामान्य संचय | | 1,50,000 | प्राप्य विपत्र | 1,20,000 |
| पूँजी : | | | स्कंध | 3,50,000 |
| पी– | 3,00,000 | | प्लांट | 5,50,000 |
| क्यू– | 2,40,000 | | | |
| आर– | 2,10,000 | 7,50,000 | | |
| | | **12,00,000** | | **12,00,000** |

वे निर्णय लेते हैं, कि 1 अप्रेल, 2022 से लाभों का विभाजन बराबर-बराबर करेंगे। इस तिथि को फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 90,000 पर किया गया। फर्म की पुस्तकों में "साझेदारों के पूँजी खाते" तैयार कीजिए।

P, Q and R are partners in a firm profit sharing in the ratio of 2:1:1. Their Balance Sheet as at 31st March, 2022 was as follows :

| Liabilities | | ₹ | Assets | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| Creditors | | 3,00,000 | Cash | 1,80,000 |
| General Reserve | | 1,50,000 | B/R | 1,20,000 |
| Capitals : | | | Stock | 3,50,000 |
| P– | 3,00,000 | | Plant | 5,50,000 |
| Q– | 2,40,000 | | | |
| R– | 2,10,000 | 7,50,000 | | |
| | | **12,00,000** | | **12,00,000** |

They decided to share the profits equally w.e.f. April 1st, 2022. On this date, the goodwill of firm was valued at ₹ 90,000. Prepare the "Partners Capital A/c" in the books of firm.

22. राजश्री लिमिटेड ने 2500 समता अंश ₹ 10 प्रति अंश (₹ 9 माँगी गई) का आबंटन राशि ₹ 5 प्रति अंश का भुगतान नहीं करने के कारण जब्त (हरण) किया। उनमें से 2000 समता अंश स्मिता को ₹ 5 प्रति अंश की दर

से ₹ 8 प्रति अंश प्रदत्त मानते हुए पुनर्निर्गमित कर दिये। कम्पनी की पुस्तकों में उपरोक्त जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा 'अंश-हरण' खाता बनाइए। 4

Rajshree Ltd. forfeited 2500 equity shares of ₹ 10 each (₹9 called-up) for non-payment of the allotment money of ₹ 5 per share. Of these 2000 equity share were re-issued to Smita at ₹ 5 per share as ₹ 8 called-up. Journalise the above transactions in the books of company and make 'Share-forefeiture' A/c.

**अथवा/OR**

आरती लिमिटेड ने 40,000 समता अंशों के लिए आवेदन-पत्र आमन्त्रित किए जिनका अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति अंश है, राशियाँ निम्न प्रकार से देय है—

आवेदन पर ₹ 5 प्रति अंश

आबंटन पर ₹ 4 प्रति अंश

प्रथम व अन्तिम माँग पर ₹ 1 प्रति अंश

60,000 समता अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए, यह निर्णय लिया गया—

(i) 10,000 आवेदकों को आबंटन से मना कर दिया।

(ii) 30,000 आवेदकों को पूर्ण आबंटन किया गया।

(iii) शेष आवेदकों को यथानुपात-बंटन कर दिया गया।

बंटन पर प्राप्त राशि की गणना कीजिए।

Arti Limited invited applications for 40,000 equity shares of ₹ 10 each. Amounts payable are as follows :

On Application ₹ 5 per share

On Allotment ₹ 4 per share

On first and final call ₹ 1 per share

Application for 60,000 shares were received. It was decided—

(i) To refuse allotment to the applicants for 10,000 shares.

(ii) To allot in full to applicants for 30,000 shares.

(iii) To allot in pro-rate among the remaining applicants :

Calculate the Amount to be received on allotment.

23. कन्हैया लिमिटेड ने रवि लिमिटेड से ₹ 1,98,000 में फर्नीचर खरीदा। जिसके क्रय प्रतिफल के बदले ₹100 वाले 9% ऋणपत्रों का निम्न शर्तों पर निर्गमन पर सहमति बनी— 4

(i) यदि 10% बट्टे पर (ii) यदि 10% प्रीमियम पर

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा प्रत्येक परिस्थिति में जारी ऋणपत्रों की संख्या बताइए।

Kanhaiya Ltd. purchased furniture of ₹ 1,98,000 from Ravi Ltd. It was agreed that purchase consideration is to be paid by issuing 9% Debentures of ₹ 100 each with following conditions—

(i) If AT discount of 10%. (ii) If AT premium of 10%.

Record necessary journal entries and state the number of debentures that were issued in each case—

**अथवा/OR**

रानू लिमिटेड ने 2000; 8% ऋणपत्र 1 अप्रेल, 2022 को ₹ 100 वाले निर्गमित किए , जो कि 4 वर्ष पश्चात् लाभों में 10% प्रीमियम पर एकमुश्त शोधनीय है। ऋणपत्र शोधन संचय खाते का शेष ₹ 14,000 उपलब्ध है। कम्पनी की पुस्तकों में शोधन के समय आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए, यदि रानू लिमिटेड शेयर बाजार के अलावा "अन्य असूचीगत" कम्पनी है।

Renu Ltd. issued 2000; 8% debentures of ₹ 100 each on 1st April, 2022, which are redeemable in lump sum after 4 years at a premium of 10% out of profits. The balance of Debenture Redembtion Reserve is available for ₹ 14,000. Give journal entries at the time of redemption in the books of company, if Ranu Ltd. is a "other unlisted" company except share market.

# लेखाशास्त्र—कक्षा 12 ( भाग 1 )

## 1. अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन
## (Accounting for Not-for-Profit Organisation)

**पाठ-सार**

**अलाभकारी संस्थाओं** (Not-for-Profit Organisation) **का अर्थ**—अलाभकारी संस्थाओं से आशय ऐसे संस्थानों से है जिनका प्रयोग सामाजिक कल्याण के लिए होता है तथा जिनका निर्माण धर्मार्थ संस्थानों, जिनका उद्देश्य लाभ से प्रेरित नहीं होता, के रूप में किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट समूह या समस्त जनता को सेवाएँ प्रदान करना होता है।

**अलाभकारी संस्थाओं के अभिलेखों का लेखांकन**—अलाभकारी संस्थाओं के अधिकतर लेन-देन रोकड़ और बैंक के द्वारा किये जाते हैं अत: ये संस्थान प्राय: एक रोकड़ पुस्तक खाते हैं। आय, व्यय, परिसम्पत्तियों और दायित्वों के अभिलेखन हेतु एक लेखाबही रखते हैं। इसके अलावा एक स्टॉक रजिस्टर रखते हैं। इन संस्थाओं द्वारा कोई पूँजी खाता तैयार नहीं किया जाता बल्कि पूँजी निधि (Capital Fund) की गणना की जाती है।

**अन्तिम खाते या वित्तीय विवरण** (Final Accounts or Financial Statements)—अलाभकारी संस्थाओं को भी प्रत्येक वर्ष के अन्त में अन्तिम विवरण बनाना आवश्यक होता है। इन संस्थाओं के अन्तिम खातों में निम्न शामिल होते हैं—

(1) प्राप्ति एवं भुगतान खाता (Receipt and Payment A/c)

(2) आय और व्यय खाता (Income and Expenditure A/c)

(3) तुलन पत्र (Balance Sheet)।

### (1) प्राप्ति एवं भुगतान खाता
### (Receipts and Payments Account)

किसी वित्तीय वर्ष के अन्त में रोकड़ बही की सहायता से वर्ष के दौरान विभिन्न स्रोतों से प्राप्तियों व भुगतानों की मदों के आधार पर यह खाता बनाया जाता है। प्राप्तियों व भुगतानों की वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों की प्रविष्टियों को एकसाथ कर प्रत्येक मद के योग को इसमें दिखाया जाता है। जैसे वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों को 10 बार किराया चुकाया गया तो सभी राशियों का योग करके प्राप्ति व भुगतान खाते के भुगतान पक्ष में दिखाया जायेगा। अलाभकारी संस्थान वर्ष के प्रारम्भ से ही रोकड़ बही में आवश्यक स्तम्भ बनाकर प्राप्तियों व भुगतानों का मदानुसार विश्लेषण करती है। इस प्रकार की संस्थाएँ इन विश्लेषण स्तम्भों की सहायता से प्राप्ति व भुगतान खाता सुलभता से तैयार कर लेती हैं। यह एक स्मरणार्थ खाता है तथा दोहरा लेखापद्धति का अंग नहीं है।

**प्राप्ति व भुगतान खाते की विशेषताएँ–**

(1) यह रोकड़ पुस्तक का सारांश है। यह एक खाते के आकार में बनाया जाता है जिसके बायें पक्ष में प्राप्तियाँ (Receipts) व दाहिने पक्ष में भुगतान (Payments) दिखाये जाते हैं।

(2) यह एक वस्तुगत खाते (Real Account) की प्रकृति का है।

(3) निर्धारित अवधि के दौरान हुई समस्त प्राप्तियाँ व भुगतान दिखाये जाते हैं चाहे ये किसी भी अवधि से सम्बन्धित हों। अर्थात् बकाया, का कोई समायोजन नहीं होता है; बकाया आय, बकाया व्यय तथा किसी भी प्रकार की गैर रोकड़ मदें नहीं दिखाई जाती हैं, जैसे मूल्य ह्रास आदि।

(4) प्राप्तियाँ व भुगतान चाहे आयगत हों या पूँजीगत प्रकृति के हों, सभी को दिखाया जाता है।

(5) रोकड़ व बैंक व्यवहारों में कोई अन्तर नहीं किया जाता है अर्थात् दोनों व्यवहार दिखाये जाते हैं।

(6) इसके प्रारम्भ में प्रारम्भिक रोकड़ व बैंक शेष (अथवा बैंक अधिविकर्ष) तथा अन्त में अन्तिम रोकड़ व बैंक शेष दिखाये जाते हैं।

**प्राप्ति व भुगतान खाते का प्रारूप**
**Receipts and Payments Account**
**for the year ending .....**

| Receipts | Amount ₹ | Payments | Amount ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d : | | By Balance b/d (Bank overdraft)* | ××× |
| Cash in Hand | ××× | By Wages and Salaries | ××× |
| Cash at Bank* | ××× | By Rent | ××× |
| To Subscriptions | ××× | By Rates and Taxes | ××× |
| To General Donations | ××× | By Insurance | ××× |
| To Sale of newspaper/ periodicals/waste paper | ××× | By Printing and Stationery | ××× |
| | | By Postage and courier | ××× |
| To Sale of old sports materials | ××× | By Advertisement | ××× |
| To Interest on fixed deposits | ××× | By Sundry expenses | ××× |
| To Interest/Dividend on general investments | ××× | By Telephone charges | ××× |
| | | By Entertainment expenses | ××× |
| To Locker Rent | ××× | By Audit fees | ××× |
| To Sale of scraps | ××× | By Honorarium | ××× |
| To Proceeds from charity show | ××× | By Repair and Renewals | ××× |
| To Miscellaneous receipts | ××× | By Upkeep of ground | ××× |
| To Grant-in-aid | ××× | By Conveyance | ××× |
| To Legacies | ××× | By Newspapers and Periodicals | ××× |
| To Specific Donations | ××× | By Purchases of Assets | ××× |
| To Sale of Investments | ××× | By Purchase of Investments | ××× |
| To Sale of Fixed Assets | ××× | By Balance c/d : | |
| To Life membership fees | ××× | Cash in Hand | ××× |
| To Entrance fees | ××× | Cash at Bank* | ××× |
| To Receipts on account of specific purpose funds | ××× | | |
| To Interest on specific funds/ investments | ××× | | |
| To Balance b/d (Bank Overdraft)* | ××× | | |
| | ××××× | | ××××× |

**नोट–*** यहाँ दो में से कोई एक राशि ही आयेगी 'Cash at Bank' या 'Bank Overdraft', दोनों नहीं आयेंगी।

## ( 2 ) आय और व्यय खाता
## (Income and Expenditure Account)

प्राप्ति एवं भुगतान खाता वर्ष के अन्त में रोकड़ शेष दर्शाता है परन्तु संस्था की वास्तविक लाभ-हानि को नहीं दर्शाता है तथा इससे संस्था की आर्थिक स्थिति का भी पता नहीं लग पाता है। इसी कारण अलाभकारी संस्थायें लेखा वर्ष या वित्तीय वर्ष के अन्त में आय और व्यय खाता तैयार करती हैं।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते में सभी प्रकार की प्राप्तियाँ व भुगतान (पूँजीगत व आयगत दोनों) दिखाये जाते हैं तथा इसमें समायोजन नहीं किये जाते हैं। इस कमी को दूर करने के लिए प्रत्येक अलाभकारी संस्था आय और व्यय खाता तैयार करती है। यह खाता लाभ-हानि खाते के समान होता है। इसमें सभी बकाया व अग्रिम आय-व्यय तथा ह्रास आदि का समायोजन किया जाता है। इस खाते को प्राप्ति व भुगतान खाते की सहायता से बनाया जाता है।

**आय-व्यय खाते की विशेषताएँ–**

(1) इसमें केवल आयगत प्रकृति की मदें दिखाई जाती हैं।

(2) इसके डेबिट पक्ष में खर्चे व हानियाँ तथा क्रेडिट पक्ष में आय व लाभ दिखाये जाते हैं।

(3) इसमें केवल एक निश्चित अवधि की आय व व्ययों का लेखा किया जाता है चाहे वे प्राप्त हुई हों या नहीं अथवा भुगतान किया या न किया हो।

(4) यह उपार्जन अवधारणा पर बनाया जाता है।

(5) इसमें कोई प्रारम्भिक शेष नहीं होता है तथा इस खाते की अन्तर की राशि आधिक्य/न्यूनता दर्शाता है जिसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजी कोष में जोड़ा या घटाया जाता है।

**आय और व्यय खाते का प्रारूप**

**Proforma of Income and Expenditure Account**

**Dr.** for the year ending ..... **Cr.**

| Expenditure | Amount ₹ | Income | Amount ₹ |
|---|---|---|---|
| To All Revenue Expenses Paid | ..... | By All Revenue Income received | ..... |
| *Add* : All revenue expenses payable (relating to current year) | ..... | *Add* : All Revenue Income Receivable (relating to current year) | ..... |
| | ..... | | ..... |
| *Less* : Revenue expenses paid in advance (for the future) | ..... | *Less* : Income received in advance (for the future) | ..... |
| | ..... | | ..... |
| *Less* : Revenue expenses paid for the past | ..... | *Less* : Income received for the past | ..... |
| To Excess of Income over Expenditure (Profit) or Surplus | ..... | By Excess of Expenditure over Income (Loss) or Deficit | ..... |
| | ..... | | ..... |

**प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अन्तर**—प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अनेक अन्तर पाये जाते हैं जो कि उनकी प्रकृति तथा दोनों विवरणों का प्रमाण होते हैं। प्राप्ति एवं भुगतान खाता में दोनों पूँजी और आगम प्राप्ति एवं भुगतान जो कि किसी भी लेखा अवधि से सम्बन्धित हों, लिखे जाते हैं जबकि आय और व्यय खाते में केवल आगम मदें जो कि चालू लेखा वर्ष से सम्बन्धित होती हैं, को प्रलेखित किया जाता है। आय और व्यय खाते में गैर-रोकड़ मदें जैसे स्थायी परिसम्पत्तियों पर ह्रास और बकाया आय और व्यय भी दर्शाए जाएँगे लेकिन प्राप्ति और भुगतान खाते में इनको शामिल नहीं किया जाएगा। प्राप्ति एवं भुगतान खाता एक आरम्भिक शेष रखता है जबकि आय और व्यय खाता यह नहीं रखता। प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अन्तिम शेष, अन्तिम तिथि पर रोकड़ और बैंक शेष दर्शाता है जबकि आय और व्यय खाते संस्थान की गतिविधियों से आधिक्य या घाटा को प्रदर्शित करते हैं।

## ( 3 ) तुलन पत्र/चिट्ठा
## (Balance Sheet)

अलाभकारी संस्थाओं को भी अपनी वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने के लिए व्यापारिक फर्मों की तरह तुलन पत्र तैयार करना होता है। यह वर्ष के अन्त में परिसम्पत्तियों और दायित्वों को दर्शाता है। अलाभकारी संस्थाओं में तुलन पत्र बनाने हेतु गत वर्ष का तुलन पत्र, चालू वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा अन्य सूचनाएँ उपलब्ध रहती हैं। इसके आधार पर तुलन पत्र बनाने के नियम निम्नलिखित हैं—

**परिसम्पत्तियाँ पक्ष** (Assets Side)–

(1) प्राप्ति एवं भुगतान खाते से अन्तिम रोकड़ शेष एवं बैंक शेष को ज्ञात कर उसे तुलन पत्र में परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिये।

(2) अन्य सम्पत्तियों के लिए सबसे पहले गत वर्ष के तुलन पत्र से सम्पत्तियों की सूची बनाकर यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या चालू वर्ष में कोई पुरानी सम्पत्ति बेची गई है अथवा कोई नई सम्पत्ति खरीदी गई है। रोकड़ में बेची गई सम्पत्ति का विवरण 'प्राप्ति एवं भुगतान खाते' के डेबिट पक्ष से ज्ञात किया जाता है। सम्पत्ति बेचने की स्थिति में गत वर्ष के तुलन पत्र में दिखाई गई सम्पत्ति के शेष में से बेची गई सम्पत्ति का पुस्तक मूल्य घटाना चाहिए। यदि चालू वर्ष में कोई सम्पत्ति खरीदी गई है तो गत वर्ष के तुलन पत्र में प्रदर्शित सम्पत्ति के मूल्य में खरीदी गई सम्पत्ति का मूल्य जोड़ देना चाहिए। चालू वर्ष में खरीदी गई सम्पत्ति का विवरण 'प्राप्ति एवं भुगतान खाते' के क्रेडिट पक्ष से अथवा अन्य सूचनाओं से ज्ञात किया जा सकता है। इन सभी समायोजनों का ध्यान रखकर सम्पत्ति की राशि को तुलन पत्र के सम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए। सम्पत्ति के विक्रय से लाभ-हानि (विक्रय मूल्य - पुस्तक मूल्य) को आय और व्यय खाते में दर्शाना चाहिए।

(3) यदि गत वर्ष के तुलन पत्र में बकाया आमदनी यथा—दान, चन्दा, किराया आदि के सम्बन्ध में कुछ समायोजन दिखाये हुए हैं तो यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या वास्तव में चालू वर्ष में उक्त आय प्राप्त हो गई है। संस्था की रोकड़ बही से यह पता लगाया जा सकता है। यदि चालू वर्ष में गत वर्ष की बकाया आय वसूल नहीं हो पाई है अथवा आंशिक राशि वसूल हो पाई है तो जितनी राशि वसूल नहीं हुई है, उसे चालू वर्ष के तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाया जायेगा।

(4) चालू वर्ष से सम्बन्धित बकाया या उपार्जित आय (Accrued Income) की राशि भी अतिरिक्त सूचनाओं से ज्ञात करनी चाहिए तथा उसको परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।

(5) पूर्वदत्त व्ययों (Prepaid Expenses) के अन्तिम शेष को भी अतिरिक्त सूचनाओं से ज्ञात करना चाहिए तथा तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।

**दायित्व पक्ष** (Liabilities Side)–

(1) अलाभकारी संस्थाओं का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता है। अत: व्यापारिक संस्थाओं की तरह इनका निर्माण पूँजी के साथ नहीं होता है। लेकिन ये संस्थाएँ धीरे-धीरे अपनी आय की बचत से कुछ स्थायी सम्पत्ति प्राप्त कर लेती हैं और इस प्रकार से अपनी पूँजी का निर्माण कर लेती हैं जिसे संस्था का पूँजी कोष (Capital Fund) कहते हैं। प्रश्न में प्रारम्भिक पूँजी कोष न होने पर इसे निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है—

प्रारम्भिक पूँजी कोष = वर्ष के प्रारम्भ की कुल सम्पत्तियाँ – वर्ष के प्रारम्भ में कुल दायित्व

अन्तिम पूँजी कोष = प्रारम्भिक पूँजी कोष + आधिक्य - घाटा

(2) यदि गत वर्ष के तुलन पत्र/चिट्ठे में बकाया व्ययों से सम्बन्धित दायित्व है तो यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या ऐसे दायित्वों का भुगतान किया जा चुका है। रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष से इसका पता लगाया जा सकता है। यदि कोई दायित्व (जैसे—बैंक खर्चे व अनुपार्जित आय का अन्तिम शेष) शेष रह गये हैं तो ऐसे दायित्वों को चालू वर्ष के तुलन पत्र/चिट्ठे में दायित्व पक्ष की तरफ दिखाया जाता है।

(3) गत वर्ष के तुलन पत्र के दायित्व पक्ष पर कुछ ऐसी मदें भी हो सकती हैं जो पूर्व प्राप्त आय (अर्थात् चालू वर्ष से सम्बन्धित आय जो गत वर्ष में प्राप्त हो गई है) से सम्बन्धित हो तो उसे गत वर्ष के तुलन पत्र में दायित्व पक्ष